Daily Current Affairs

राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने भारत के छठे राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

जयंती दिवस :- 19 मई, 2024 (जन्म की तिथि पर)

जन्म - 19 मई 1913 (आंध्र प्रदेश राज्य के अनंतपुर जिले के इल्लूर गांव में)

पिता का नाम - नीलम चिनप्पा रेड्डी

प्राथमिक शिक्षा - प्रतिष्ठित थियोसोफिकल हाई स्कूल, अडयार, मद्रास

प्रभाव - महात्मा गांधी के विचारों से काफी प्रभावित

मृत्यु - 1 जून 1996

राष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल - 25 जुलाई 1977 से 25 जुलाई 1982 तक

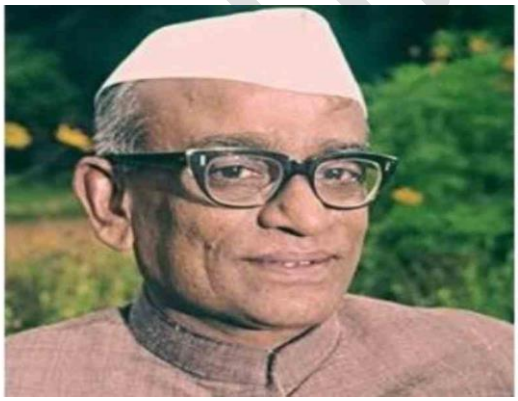

राष्ट्रपति से पूर्व कार्यकाल

- स्वतंत्र भारत में - आंध्र राज्य के उपमुख्यमंत्री और संयुक्त आंध्र प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री
- जब आंध्र प्रदेश के नए राज्य का गठन हुआ तो संजीव रेड्डी इसके पहले मुख्यमंत्री बने और उन्होंने 1956 से 1959 तक इस पद पर कार्य किया। वह 1962 में एक वर्ष के लिए फिर से आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बने।

लोकसभा के दो बार अध्यक्ष :- पहला कार्यकाल - 1967 से 1969 तक

- दूसरा कार्यकाल - 26 मार्च 1977 को सर्वसम्मति से छठी लोकसभा का अध्यक्ष चुना गया। हालाँकि उन्होंने जुलाई 1977 के राष्ट्रपति चुनाव में लड़ने के लिए कुछ महीने बाद इस्तीफा दे दिया। अध्यक्ष के रूप में रेड्डी का दूसरा कार्यकाल तीन महीने और 17 दिनों तक चला और आज तक का सबसे छोटा कार्यकाल है।

केंद्रीय मंत्री के रूप में - कई प्रमुख कार्यालय में कार्य

- 9 जून, 1964 में रेड्डी इस्पात और खान मंत्री के रूप में श्री लाल बहादुर शास्त्री की सरकार में शामिल हुए।
- उसी वर्ष वह राज्य सभा के सदस्य निर्वाचित हुए।
- 1967 में वह श्रीमती इन्दिरा गांधी की सरकार में बहुत कम अवधि के लिए परिवहन, विमानन, नौवहन और पर्यटन मंत्री भी रहे।

राष्ट्रपति चुनाव में हार

- 19 जुलाई, 1969 को रेड्डी ने राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा जिसमें वह निर्दलीय प्रत्याशी वीवी गिरी से काफी कम अन्तर से चुनाव हार गए।
- इंदिरा गाँधी का निर्दलीय प्रत्याशी वीवी गिरी को समर्थन
- देश के तीसरे राष्ट्रपति जाकिर हुसैन की हार्ट अटैक से मौत के बाद 1969 में चुनाव कराया गया।
- इस चुनाव में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी अपने पसंद का उम्मीदवार उतारना चाहती थीं। लेकिन बुजुर्ग कांग्रेस नेताओं का सिंडिकेट गुट इस समय इतना प्रभावशाली था कि अनेकों बार वह इंदिरा गाँधी की नीतियों या इच्छा का ही विरोध कर देता था।
- ऐसा ही कुछ इस राष्ट्रपति चुनाव में भी हुआ जहाँ सिंडिकेट गुट ने अपने पसंद के उम्मीदवार के रूप में नीलम संजीव रेड्डी को अपना उम्मीदवार बनाया।
- इंदिरा गाँधी ने इसे अपने अपमान के रूप में लेते हुए निर्दलीय प्रत्याशी वीवी गिरी को अपना समर्थन कर दिया।
- तत्पश्चात इंदिरा गाँधी के इस कदम को पार्टी के विरुद्ध बगावत मानते हुए उन्हें कांग्रेस से निष्काषित कर दिया गया।
- दूसरी ओर इंदिरा गांधी ने अपने गुट को ही असली कांग्रेस बताना शुरू कर दिया।
- इंदिरा गाँधी ने राष्ट्रपति चुनाव से मात्र 4 दिन पहले पार्टी के सांसदों और विधायकों से अपनी अंतरआत्मा की आवाज सुनकर वोट डालने की अपील की।

- उन्होंने इसके लिए कांग्रेस के युवा नेताओं को एकजुट किया और परिणाम यह रहा कि वीवी गिरी इस राष्ट्रपति चुनाव को जीत गए। इसे इंदिरा गाँधी के उत्थान के रूप में देखा गया।
- कहा भी जाता है कि यही वह राष्ट्रपति चुनाव था जिसने गूंगी गुड़िया को एक आयरन लेडी बना दिया।
- उल्लेखनीय है कि 1969 के इस चुनाव में कांटे की टक्कर हुई। पहले राउंड में किसी को बहुमत नहीं मिली। दूसरे राउंड की गिनती में इंदिरा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार वीवी गिरी कांग्रेस उम्मीदवार नीलम संजीव रेड्डी से 1% के मामूली अंतर से जीते।
- चुनाव पश्चात रेड्डी स्वेच्छा से कुछ दिन राजनीति से बाहर रहे। हालांकि कुछ समय पश्चात्, रेड्डी पुनः छठी लोक सभा के लिए चुने गए।
- 26 मार्च, 1977 को उन्हें सर्वसम्मति से छठी लोक सभा का अध्यक्ष चुन लिया गया। तथापि, इस बार भी वह अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके और चार महीने के पश्चात् उन्होंने भारत के राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन पत्र भरने के लिए इस उच्च पद से पुनः त्यागपत्र दे दिया।
- पांचवें राष्ट्रपति - फखरुद्दीन अली अहमद ने भारत के पांचवें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया और 24 अगस्त, 1974 से 11 फरवरी, 1977 को अपनी मृत्यु तक इस पद पर रहे।
- उनका राष्ट्रपतित्व 1975 में तत्कालीन प्रधान मंत्री, इंदिरा गांधी की सलाह से आपातकाल की स्थिति घोषित करने के उनके निर्णय के लिए उल्लेखनीय है।
- फखरुद्दीन अली अहमद का 11 फरवरी, 1977 को कार्यालय में निधन हो गया, वह पद पर मरने वाले पहले भारतीय राष्ट्रपति थे।
- इस राष्ट्रपति चुनाव में पहली बार प्रावधान किया गया कि किसी भी प्रत्याशी को नामांकन भरने के लिए कम से कम 50 प्रस्तावकों और 50 समर्थकों की सूची देना अनिवार्य होगा ।

छठा राष्ट्रपति चुनाव और राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित

- देश के छठे राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी स्वतंत्र भारत के इतिहास में सर्वोच्च पद के लिए निर्विरोध चुने गए इकलौते राष्ट्रपति थे।
- वह 1977 में फकरुद्दीन अली अहमद के निधन के बाद राष्ट्रपति बने थे।
- इससे एक दिन पहले आपातकाल के दो साल बाद लोकसभा चुनाव हुए थे। उस समय उपराष्ट्रपति बी डी जत्ती ने कार्यवाहक राष्ट्रपति का पद संभाला था।

- राष्ट्रपति के रूप में रेड्डी देश के सबसे कम आयु (64 वर्ष) के राष्ट्रपति बने थे ।
- वर्तमान में तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु (15वीं राष्ट्रपति) सबसे कम उम्र में बनने वाली देश की राष्ट्रपति है। उनका जन्म 20 जून 1958 को हुआ था। श्रीमती द्रौपदी मुर्मु स्वतंत्र भारत में जन्मी पहली राष्ट्रपति भी हैं।

प्रमुख पुस्तक - 1989 में प्रकाशित विढाउठ फियर ऑर फेवर: रेमिनिसेंस एंड रिफ्लेक्शन्स ऑफ ए प्रेसिडेंठ नामक पुस्तक का लेखन

राष्ट्रपति के रूप में प्रमुख कार्य

- रेड्डी द्वारा हासिल की गई अविश्वसनीय उपलब्धियों में से एक यह थी कि उन्होंने राष्ट्रपति भवन में निवास छोड़ दिया और 1977 में जनता की खराब आर्थिक स्थिति के प्रति एक संकेत के रूप में अपने वेतन में 70 प्रतिशत की कठौती की।

भारत के राष्ट्रपतियों का क्रम

राजेंद्र प्रसाद (1950 - 1962)

- स्वतंत्र भारत के पहले राष्ट्रपति
- लगभग 12 वर्षों की सबसे लंबी अवधि तक पद पर रहे

सर्वपल्ली राधाकृष्णन (1962 - 1967)

- इनके जन्मदिवस 5 सितंबर को भारत में 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाता है
- 1954 में भारत रत्न प्राप्त करने वाले पहले राष्ट्रपतियों में से एक
- 1975 में ठेम्पलठन पुरस्कार से सम्मानित
- ठेम्पलठन पुरस्कार एक जीवित व्यक्ति को दिया जाने वाला वार्षिक पुरस्कार है, "जिनकी अनुकरणीय उपलब्धियाँ सर जॉन ठेम्पलठन की परोपकारी दृष्टि को आगे बढ़ाती हैं
- सर जॉन मार्क्स ठेम्पलठन (29 नवंबर 1912 - 8 जुलाई 2008) एक अमेरिकी मूल के ब्रिटिश निवेशक, बैंकर, फंड मैनेजर और परोपकारी व्यक्ति थे

डॉ. ज़ाकिर हुसैन (1967 - 1969)

- देश के पहले मुस्लिम राष्ट्रपति

- सबसे कम समय तक (13 मई 1967 से 3 मई 1969 तक) इस पद पर रहने वाले राष्ट्रपति
- निर्वाचित होने के दो वर्ष बाद उनकी असामयिक मृत्यु से वी.वी. गिरी भारत के पहले कार्यकारी राष्ट्रपति
- डॉ. हुसैन जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के सह-संस्थापक भी थे

वराहगिरी वेंकट गिरी (1969-1974)

- कार्यकारी राष्ट्रपति के बाद 1969 में भारत के चौथे राष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित
- इन्हें 1975 में सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

फखरुद्दीन अली अहमद (1974 - 1977)

- दूसरे मुस्लिम राष्ट्रपति
- इंदिरा गाँधी द्वारा लाए गए आपातकाल अध्यादेश पर हस्ताक्षर

नीलम संजीव रेड्डी (1977 - 1982)

छठे राष्ट्रपति जो निर्विरोध चुने जाने वाले पहले राष्ट्रपति

ज्ञानी जैल सिंह (1982 - 1987)

- वर्तमान समय तक भारत के एकमात्र सिख राष्ट्रपति
- ऑपरेशन ब्लू स्टार के समय कार्यरत राष्ट्रपति

रामास्वामी वेंकटरमन (1987 - 1992)

- भारत के राष्ट्रपति के रूप में वेंकटरमन को चार प्रधानमंत्रियों (राजीव गाँधी , वीपी सिंह , चंद्र शेखर और पीवी नरसिम्हा राव) के साथ काम करने का गौरव प्राप्त हुआ।
- इन्हें संयुक्त राष्ट्र न्यायाधिकरण का आजीवन अध्यक्ष भी चुना गया था।

Drishti Mitra

शंकर दयाल शर्मा (1992 - 1997)

- देश के नौवें राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया
- भारत के आठवें उपराष्ट्रपति के रूप में भी कार्य
- वह तीन बार मध्य प्रदेश विधानसभा के लिए चुने गए और 1956 से 1957 तक राज्य के मुख्यमंत्री रहे।
- 26 दिसंबर, 1999 को निधन

कोचेरिल रमन नारायणन (1997 - 2002)

- के.आर. नारायणन के नाम से प्रसिद्ध भारत के पहले दलित मूल के राष्ट्रपति थे

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (2002 - 2007)

- 2002 में राष्ट्रपति बनने वाले पहले वैज्ञानिक
- इन्हे मिसाइल मैन और जनता का राष्ट्रपति कहा जाता है
- इन्हें 1997 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया

प्रतिभा पाटिल (2007 - 2012)

- भारत की राष्ट्रपति बनने वाली पहली महिला

प्रणब मुखर्जी (2012 - 2017)

- भारत के 13वें राष्ट्रपति के रूप में कार्य

राम नाथ कोविन्द (2017 - 2022)

- देश के 14वें राष्ट्रपति
- बिहार के पूर्व राज्यपाल
- आर. के. नारायणन के बाद दूसरे दलित राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु (2022 से अब तक)

- भारत की 15वीं राष्ट्रपति
- वह यह सर्वोच्च पद संभालने वाली पहली आदिवासी (संथाली आदिवासी) और दूसरी महिला बन गई हैं।

Result Mitra